E-ISSN No : 2581-6195 | Volume : 8 | Special Issue | June 2025

स्वावलम्बी भारत अभियान के प्रति युवाओं की जागरूकता

सोनल[1], प्रो.(डॉ.) अनुराग अग्रवाल[2]

ABSTRACT

'स्वावलम्बी भारत अभियान', भारतीय युवाओं को आर्थिक, सामाजिक और कौशलगत रुप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में विकसित एक व्यापक राष्ट्रीय पहल है, जिसका अन्य उद्देश्य स्थानीय संसाधनों, कुटीर उद्योगों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपक्रमों (एम.एस.एम.ई.) और ग्रामीण उद्यमिता को सशक्त बनाना है। यह अभियान 'लोकल फॉर वोकल' को मजबूत करते हुए युवाओं, महिलाओं और कमजोर वर्गों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करता है तथा उन्हें प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और बाजार प्रदान करता है। विभिन्न सामाजिक संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय समुदायों के सहयोग चलने वाला यह अभियान रोजगार सृजन, कौशल विकास, डिजिटल सशक्तिकरण और नवाचार को बढ़ावा देता है। इस अभियान की सफलता तब ही सम्भव है जबकि युवा इसके प्रति जागरूक हों। युवाओं की जागरूकता ही अभियान की व्यपकता और लक्षित समूह तक पहुंच का मापदण्ड है। प्रस्तुत शोध पत्र में स्वावलम्बी भारत अभियान के प्रति युवाओं की जागरूकता का सर्वेक्षण किया गया है।

KEYWORDS: स्वावलम्बी भारत अभियान, युवा, स्वरोजगार, कौशल विकास

[1] शोध–छात्रा, वाणिज्य, एम.जे.पी. रूहेलखण्ड, विष्वविद्यालय बरेली, उ.प्र.
[2] अध्यक्ष, वाणिज्य विभाग, स्वामी शुकदेवानन्द कॉलेज शाहजहाँपुर, उ.प्र.

HOW TO CITE THIS ARTICLE:
सोनल, प्रो.(डॉ.) अनुराग अग्रवाल (2025). स्वावलम्बी भारत अभियान के प्रति युवाओं की जागरूकता, International Educational Journal of Science and Engineering (IEJSE), Vol: 8, Special Issue, 142-144

स्वावलम्बी भारत अभियान की पृष्ठभूमि और उद्भव

स्वावलम्बी भारत अभियान की अवधारणा का विकास मुख्य रूप से स्वदेशी जागरण मंच के दशकों पुराने आर्थिक और सामाजिक चिंतन की परिणति है, जिसे आत्मनिर्भर भारत अभियान के आरम्भ और कोविड–19 महामारी के बाद की बेरोज़गारी की चुनौतियों ने उत्प्रेरित किया। स्वदेशी जागरण मंच जो एक प्रमुख राष्ट्रीय स्वयं सेवी संगठन है, ने 1991 के उदारीकरण के बाद से ही बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रभुत्व और पश्चिमी आर्थिक मॉडल के विपरीत एवं स्वदेशी आधारित विकास माडॅल की वकालत की है। स्वदेशी जागरण मंच का हमेशा से ये मत रहा है कि भारत की आर्थिक संप्रभुता केवल तभी सुनिश्चित हो सकती है जब रोजगार सृजन स्थानीय स्तर पर हो और सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यमों को बढ़ावा मिले। केंद्र सरकार ने जब मई 2020 में आत्मनिर्भर भारत की घोषणा की, तो स्वदेशी जागरण मंच ने इसे राष्ट्रीय स्तर पर आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में एक स्वागत योग्य और नीतिगत ढांचा माना। स्वदेशी जागरण मंच ने यद्यपि अनुभव किया कि आत्मनिर्भर भारत का दृष्टिकोण बड़े उद्योगों और नीतिगत सुधारों पर केंद्रित था, जबकि बेरोजगारी की समस्या को हल करने के लिए जमीनी स्तर पर एक जन आंदोलन की आवश्यकता थी। स्वावलंबी भारत अभियान इसी वैचारिक अंतराल को भरने के लिए विकसित हुआ। स्वदेशी जागरण मंच ने स्वावलंबी भारत अभियान को आत्मनिर्भर भारत के शीर्ष से नीचे दृष्टिकोण का पूरक बनाने के लिए एक जमीनी स्तर का और रोजगार–केंद्रित सामाजिक आंदोलन के रूप में संचालित किया। इसका केन्द्रीय विचार नौकरी चाहने वाले से नौकरी देने वाला बनने की मानसिकता को बढ़ावा देना है, जिसे जिला स्वावलंबन केंद्रों की स्थापना के माध्यम से जमीनी स्तर पर कार्यान्वित किया जाता है। इस प्रकार स्वदेशी जागरण मंच ने अपनी पुरानी स्वदेशी और रोजगार उन्मुख विचारधारा को आत्मनिर्भर भारत अभियान के राष्ट्रीय विजन के साथ मिलाकर स्वावलंबी भारत अभियान को एक संगठित, राष्ट्रव्यापी आंदोलन का रूप दिया। स्वावलंबी भारत अभियान इस विचार पर टिका है कि, "राष्ट्र तभी सशक्त बनता है जब उसके नागरिक आर्थिक, सामाजिक और मानसिक रूप से स्वावलंबी हो।"

शोध समस्या

किसी भी योजना अथवा अभियान की सफलता उसकी यथोचित पहुचं अर्थात् उसके प्रति जागरूकता पर निर्भर करती है। स्वावलम्बी भारत अभियान यद्यपि गैर–सरकारी सामाजिक संगठन स्वदेषी जागरण मंच द्वारा सम्पूर्ण देष के युवाओं के लिये आरम्भ किया गया अभियान है किन्तु इसका वास्तविक परिणाम तब ही स्पष्ट हो सकता है जबकि युवा इस अभियान के प्रति जागरूक हो सके हों।

शोध प्रष्न

क्या युवा वर्ग स्वावलम्बी भारत अभियान के प्रति जागरूक है?

शोध उद्देष्य

स्वावलम्बी भारत अभियान के प्रति युवाओं की जागरूकता का अध्ययन करना।

जनसंख्या

स्वावलम्बी भारत अभियान सम्पूर्ण भारत के युवाओं को लक्षित करके प्रारम्भ किया गया है। अतः समस्त भारतीय युवा जनसंख्या अर्थात् समग्र में सम्मिलित हैं।

न्यादर्षः आकार, चयन और विषेषतायें

सामान्यतः राष्ट्रीय स्तर के अभियानों या योजनाओं का व्यापक प्रचार–प्रसार बड़े–बड़े शहरों में योजनाबद्ध तरीके से किया जाता है। भारत में अनेक छोटे–छोटे शहर भी हैं जिन तक अभियानों और योजनाओं का पहुचना आवष्यक होता है ताकि सीमान्त वर्ग और दूरस्थ क्षेत्र के लाभार्थियों तक पहुंच बनाई जा सके। अतः न्यादर्ष में उत्तर प्रदेष के एक छोटे से जनपद शाहजहाँपुर के युवाओं को सम्मिलित किया गया है। न्यादर्ष से अभिप्राय जनपद शाहजहाँपुर के युवाओं से है।

जनपद शाहजहाँपुर में 05 तहसीलें हैं। प्रत्येक तहसील से सुविधानुसार विधि से 30–30 युवाओं को चुना गया है। यह युवा 18 से 28 वर्ष आयु वर्ग के हैं। युवकों और युवतियों को समान अनुपात में चुना गया है। इस प्रकार न्यादर्ष में कुल 150 युवा सम्मिलित हैं जिनमें से 75 युवतियां हैं और 75 युवक हैं।

न्यादर्ष की विषेषताओं को निम्नांकित तालिकाओं की सहायता से प्रदर्षित किया गया है–

Research Paper

Copyright© 2025, IEJSE. This open-access article is published under the terms of the Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License which permits Share (copy and redistribute the material in any medium or format) and Adapt (remix, transform, and build upon the material) under the Attribution-NonCommercial terms.

तालिका संख्या – 1
तहसील के आधार पर न्यादर्श

तहसील	इकाई	प्रतिशत
सदर	30	20
पुवायाँ	30	20
जलालाबाद	30	20
कलान	30	20
तिलहर	30	20
योग	150	100

तालिका संख्या – 2
लिंग के आधार पर न्यादर्श

लिंग	इकाई	प्रतिशत
पुरूष	75	50
महिला	75	50
योग	150	100

तालिका संख्या – 3
आयु वर्ग के आधार पर न्यादर्श

आयु वर्ग	इकाई	प्रतिशत
18–23	57	38
23–28	93	62
योग	150	100

तालिका संख्या – 4
शिक्षा के आधार पर न्यादर्श

शैक्षिक स्तर	इकाई	प्रतिशत
हाईस्कूल	11	07
इण्टरमीडियट	49	33
स्नातक	66	44
स्नातकोत्तर	24	16
योग	150	100

सीमांकन
अध्ययन भारत के प्रमुख राज्य उत्तर प्रदेष के बरेली मण्डल के अन्तर्गत आने वाले जनपद शाहजहाँपुर के युवाओं तक सीमित है।

स्वावलंबी भारत अभियान के प्रमुख उद्देश्य और उनके प्रति जागरूकता
स्वावलम्बी भारत अभियान का उद्देश्य केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता तक सीमित नहीं बल्कि समाज में ऐसी सोच विकसित करना है, जहाँ व्यक्ति अपने कौशल, इच्छा शक्ति और उपलब्ध संसाधनों के आधार पर रोजगार निर्माण का केंद्र बने। स्वावलंबी भारत अभियान केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारतीय युवाओं की मानसिकता को 'रोजगार प्रार्थी' से 'रोजगार दाता' की दिषा में मोड़ने का व्यापक प्रयास है ।

1. प्रत्येक युवा को आत्मनिर्भर बनाना : स्वावलम्बी भारत अभियान का प्रमुख उद्देष्य भारत के प्रत्येक युवा को अपने रोजगार का निर्माता बनाना तथा बेरोजगारी और परनिर्भरता को कम करना है।
2. कौशल आधारित रोजगार को बढ़ावा देना : प्रत्येक क्षेत्र के युवाओं को उनके रूचि व क्षमता के अनुसार प्रशिक्षण प्रदान करना, ताकि वह एक स्थायी आजीविका चुन सकें। युवाओं को उनके कौशल के अनुसार रोज़गार या छोटा व्यवसाय शुरू करने में सहायता करना है।
3. स्थानीय एवं स्वदेशी उत्पादन को प्रोत्साहन देना : स्थानीय स्तर पर स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग और उत्पादन को बढ़ावा देना ताकि विदेशी वस्तुओं पर निर्भरता कम हो। स्वदेशी अपनाओ – स्वावलंबन बढ़ाओ के सिद्धांत पर चलना।
4. समाज में उद्यमिता की भावना विकसित करना : लघु उद्योगों, सुक्ष्म उद्यमों और स्थानीय उत्पादन इकाइयों की स्थापना के लिए मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और प्रेरणा प्रदान करना स्थानीय उत्पादो, कुटीर उद्योगो और लघु उद्यमों को मजबूत करना। प्रत्येक युवा में, यह आत्मविश्वास पैदा करना कि मैं भी एक उद्यमी बन सकता हूँ।
5. सामाजिक–आर्थिक सशक्तीकरण : स्वावलंबन केवल आर्थिक अवधारणा नहीं है, यह मानसिक और सामाजिक शक्ति का भी प्रतिनिधित्व करता है। यह अभियान वंचित वर्गों, आरक्षित वर्गों, महिलाओं, आर्थिक रूप से कमजोर समूहों और युवाओं को आर्थिक प्रणाली में शामिल करने पर विषेष बल देता है।
6. रोजगार सृजन के लिए वातावरण बनाना : रोजगार सृजन के लिए केवल नौकरियां ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि एक ऐसा इकोसिस्टम या वातावरण तैयार करना जरूरी है जहाँ व्यवसाय पनप सकें जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में नये सूक्ष्म–उद्यमों, स्टार्टअप और सेवाधारी व्यवसायां को बढ़ावा मिल सके।
7. अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना : दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय सिद्धांत के अनुसार जो सबसे पीछे हैं, उन तक स्वरोजगार की सुविधायें पहुंचाना ताकि वह भी स्वरोजगारी बनकर आर्थिक सामाजिक रूप से विकसित हो सकें।
8. ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देना : गांवो में रोजगार सृजन और ग्रामीण कौशल को उद्यमों से जोड़ना इस अभियान का मुख्य उद्देश है विशेषकर – हथकरघा, कृषि आधारित उद्योग, कुटीर उद्योग, ग्रामीण हस्तशिल्प, महिला स्वयं सहायता समूहं आदि।
9. एम.एस.एम.ई. एवं स्थानीय उद्योगों का विकास : सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। एम.एस.एम.ई. और स्थानीय उद्योगों का विकास केवल आर्थिक विकास का साधन नहीं है, बल्कि यह भारत के सामाजिक, आर्थिक संप्रभुता की कुंजी है। ये उद्योग ही भारत को वास्तविक मायनों में उत्पादन केंद्र और स्वावलंबी राष्ट्र बनाते हैं। इसका उद्देश्य बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन करना, विकेंद्रीयकरण और समावेशी विकास, निर्यात को बढ़ावा और नवाचार को बढ़ावा आदि है।

स्वावलम्बी भारत अभियान के सन्दर्भ में युवा वर्ग की जागरूकता जानने हेतु न्यादर्ष में सम्मिलित इकाईयों पर स्वनिर्मित प्रष्नावली प्रषासित की गई। प्रष्नावली के माध्यम से संग्रहित प्राथमिक समंकों की सहायता से स्वावलम्बी भारत अभियान के प्रति युवाओं की जागरूकता को प्रदर्षित करने हेतु तालिका संख्या 05 प्रस्तुत है–

तालिका संख्या – 5
स्वावलम्बी भारत अभियान के प्रति युवाओं की जागरूकता

प्रश्न	हाँ		नहीं		योग
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	
क्या आप स्वावलम्बी भारत अभियान के विषय में जानते हैं?	131	87	19	13	150
क्या आप जानते हैं कि यह अभियान युवाओं को नौकरी के स्थान पर स्वरोजगार के लिये प्रेरित करता है?	128	85	22	15	150
क्या आप जानते हैं कि इस अभियान का उद्देश्य प्रत्येक युवा को स्वावलम्बी बनाना है?	125	83	25	17	150
क्या आप जानते हैं कि यह अभियान युवाओं में कौशल विकसित करने पर बल देता है?	126	84	24	16	150
क्या आप जानते हैं कि यह अभियान स्थानीय स्तर पर स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करता है?	109	73	41	27	150

क्या आप जानते हैं कि इस अभियान का उद्देश्य सभी वर्गों को स्वावलम्बी बनाकर सामाजिक–आर्थिक विकास करना है?	106	71	44	29	150
क्या आप समझते हैं कि यह अभियान ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा?	113	75	37	25	150
क्या आप समझते हैं कि यह अभियान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के विस्तार में सहायक होगा?	116	77	34	23	150
क्या आप समझते हैं कि यह अभियान स्वरोजगार को सृजित करके बेरोजगारी की समस्या दूर करने में सहायक होगा?	122	81	28	19	150
योग	1076	80	274	20	1350
औसत	120	80	30	20	150

स्त्रोत : सर्वेक्षण

तालिका संख्या 05 से स्पष्ट है कि,

1. अधिकांश युवा स्वावलम्बी भारत अभियान से परिचित हैं। 87 प्रतिशत युवाओं ने स्वीकार किया है कि वे स्वावलम्बी भारत अभियान के विषय में जानते हैं।
2. युवा इस तथ्य से अवगत हैं कि स्वावलम्बी भारत अभियान युवाओं को भावनात्मक रूप से नौकरी के स्थान पर स्वरोजगार के लिये तैयार करता है। इस सन्दर्भ में 85 युवाओं ने स्वीकृति प्रदान की है।
3. युवा वर्ग इस बात से परिचित है कि स्वावलम्बी भारत अभियान का उद्देश्य प्रत्येक युवा को स्वावलम्बी बनाना है। 83 प्रतिशत युवाओं ने ऐसा माना है कि यह अभियान युवाओं को स्वरोजगार के लिये प्रेरित करके उन्हें स्वावलम्बी बनाने का कार्य कर रहा है।
4. अधिकांश युवा यह जानते हैं कि स्वावलम्बी भारत अभियान युवाओं में कौशल–विकास पर बल देता है। 84 प्रतिशत युवा इस तथ्य से सहमत हैं।
5. स्वदेशी तथा स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने के सम्बन्ध में 73 प्रतिशत युवा जानते हैं कि स्वावलम्बी भारत अभियान स्थानीय रोजगार बढ़ाने हेतु स्वदेशी तथा स्थानीय उत्पादन पर बल देता है?
6. अधिकांश युवा यह जानते हैं कि स्वावलम्बी भारत अभियान का उद्देश्य सभी वर्गों को स्वावलम्बी बनाकर उनका सामाजिक–आर्थिक विकास करना है। 71 प्रतिशत युवा अभियान के इस उद्देश्य से परिचित हैं।
7. न्यादर्श में सम्मिलित 150 युवाओं में से 75 प्रतिशत का मानना है कि स्वावलम्बी भारत अभियान ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास में सहायक होगा।
8. न्यादर्श में सम्मिलित 150 युवाओं में से 77 प्रतिशत का मानना है कि स्वावलम्बी भारत अभियान सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों के विस्तार में सहायक होगा।
9. युवा वर्ग का मानना है कि स्वावलम्बी भारत अभियान स्वरोजगार संवर्धन करके बेरोजगारी की समस्या को दूर करने में सहायक सिद्ध होगा। इस सम्बन्ध में न्यादर्श में सम्मिलित 150 युवाओं में से 122 अर्थात् 81 प्रतिशत ने अपनी सहमति प्रकट की है।

निष्कर्ष

स्वावलम्बी भारत अभियान के प्रति जनपद शाहजहाँपुर में किये गये सर्वेक्षणात्मक अध्ययन से स्पष्ट हुआ है कि सामान्यतः युवा वर्ग इस अभियान के प्रति जागरूक है। वह अभियान के उद्देश्यों के प्रति भी पर्याप्त जानकारी रखता है। 150 युवाओं पर किये गये सर्वेक्षण के आधार पर यह कहा जा सकता है कि औसतन 80 प्रतिशत युवा स्वावलम्बी भारत अभियान के प्रति जागरूक हैं।

संदर्भ सूची

1. प्रसाद सरिता – स्वावलम्बी : समर्थता से आत्मनिर्भरता की उड़ान नोशन प्रेस, चेन्नई, तमिलनाडू, 2020.
2. कुमार देवेन्द्र – आत्मनिर्भर भारत : एक गाँधीवादी दृष्टिकोण शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली, 2021
3. स्वदेशी जागरण मंच– स्वावलम्बी भारत अभियान : अवधारणा
4. स्वदेशी जागरण मंच– स्वावलम्बी भारत अभियान : स्वदेशी, उद्यमिता, सहकारिता
5. https://pavaninaidu.com/swavalambi-bharat-abhiyan-make-india-self-reliant/index.html